साइबर कैफे सुरक्षा समाधान पर सेमिनार संपन्न

पुलिस लाइन में साइबर क्राइम के बारे में व्यापारियों व अधिकारियों को जानकारी देते विक्रम सैनी

अव्यस्थाओं के चलते निर्धारित समय से दो घण्टे बाद शुरू हो सका सेमिनार

लखनऊ, २३ जनवरी। राजधानी पुलिस व आईडिएक्ट्स इनोवेशन के संयुक्त तत्वावधान में साइबर कैफे सुरक्षा समाधान पर आज पुलिस लाईन में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिरकत करते हुए पुलिस अधिकारियों ने वर्तमान में आए दिन होने वाले आतंकी हमलों व राष्ट्रविरोधी कृत्यों के लिए साइबर कैफे के इस्तेमाल व उसकी रोकथाम पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर साइबर कैफे संचालकों के लिए एक नि:शुल्क सॉफ्टवेयर भी लांच किया गया। पुलिस लाइन के मनोरंजन केन्द्र में आज आयोजित किए गए इस सेमिनार का आयोजन साइबर कैफे के मालिकों के बीच साइबर स्पेस के राष्ट्रविरोधी व आपराधिक गतिविधियों के लिए होने वाले प्रयोग के प्रति सतर्क करने के उद्देश्य के साथ हुआ। सेमीनार में शिरकत करते हुए एसपी पश्चिमी डा. बीपी अशोक ने कहा कि राष्ट्रविरोधी ताकतों की गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए सभी को जागरूक होना पड़ेगा। उन्होने साइबर कैफे का राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा इस्तेमाल रोकने के लिए लांच किए गए सॉफ्टवेयर 'क्लिक' की तारीफ की। वहीं आइडिएक्ट्स इनोवेशन के क्षेत्रीय प्रबंधक संचालन गुरविंदर सिंह ने कहा कि भारत में इंटरनेट तक ४७ प्रतिशत पहुंच साइबर कैफे के माध्यम से होती है। मौजूदा समय में कैफे साइबर क्राइम के लिए एक मुख्य स्थान के रूप में उभर रहे हैं।

सेमिनार से पहले ही हो गया 'भाषण'

पुलिस लाइन में आज साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए आइडिएक्ट्स सॉल्यूशन कंपनी द्वारा आयोजित किए गए सेमिनार में पत्रकारों को अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा। दोपहर एक बजे से शुरू होने वाला यह सेमिनार कड़ी मशक्कत के बाद सवा तीन बजे शुरू हो पाया। कंपनी द्वारा सेमीनार के प्रारंभ होने से काफी पहले ही वक्ताओं का भाषण अंकित किया हुआ प्रेस नोट पत्रकारों को दे दिया गया। दिए गए प्रेसनोट में डीआईजी प्रेमप्रकाश का सेमिनार में दिया गया।